

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

निगरानी प्रकरण क्रमांक : 285 / 11 / 13

स्थान तथा
दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

जिला टीकमगढ़

पक्षकारों एवं
अभिभाषकों
के हस्ताक्षर

26.5.14

अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर द्वारा प्रकरण क्रमांक 979 अ 27/07--08 अपील में पारित आदेश दिनांक 23.10.12 से परिवेदित होकर म0प्र0भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत निगरानी प्रस्तुत की गई है।

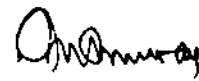
2/ आवेदकों के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्क श्रवण किये, उन्होंने बताया कि परिवार की संयुक्त भूमि के बटवारा का प्रकरण राजस्व मण्डल से प्रकरण क्रमांक 63/2/03 में पारित आदेश दिनांक 30-7-2002 से सभी पक्षों की सुनवाई के लिये एवं बटवारा करने के लिये लौटा था, किन्तु तहसीलदार पलेरा ने जानबूझकर सामिलाती सिंचाई का कुआ एवं सिंचाई के साधन की भूमि सर्वे नंबर 940,941,944,947, 946 आधी आधी न करके अनावेदकगण को देने में त्रुटि की गई, तथा पुरानी फर्दों का प्रकलन कराकर बिना सहमति के बटवारा कर दिया, जब अनुविभागीय अधिकारी जतारा के समक्ष अपील की गई, अनुविभागीय अधिकारी ने आदेश दि. 13.2.2008 से अपील निरस्त कर दी। अपर आयुक्त को वास्तविकता बताने के वाद भी उन्होंने अपील में पारित आदेश दि. 23.10.12 से अपील निरस्त करने में भूल की है उन्होंने आग्रह किया कि निगरानी के तथ्य अपने आप में स्पष्ट हैं इसलिये निगरानी सुनवाई हेतु ग्राह्य की जाकर अधीनस्थ न्यायालयों का रिकार्ड मंगाया जावे

3/ आवेदकगण के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने

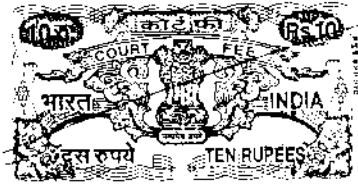
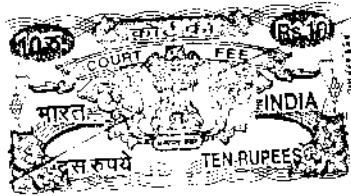


निगरानी क्रमांक 285/11/13

दिनांक 22.6.2000 से बटवारा कर दिये जाने के बाबजूद असंतुष्ट पक्षकारों को अपील/निगरानी राजस्व मण्डल तक प्रस्तुत की गई और बटवारे में 22-6-2000 से वर्ष 2014 तक का समय मुकदमेवाजी में व्यतीत हो चुका है। मामला राजस्व मण्डल से प्रकरण क्रमांक 63/दो/03 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 9-9-2002 से निराकृत होने के उपरांत तहसीलदार द्वारा वरिष्ठ न्यायालयों द्वारा दिये गये आदेशों के पालन में पक्षकारों को श्रवण कर प्रकरण क्रमांक 36 अ 27/97-98 में पारित आदेश दिनांक 18-6-2007 से बटवारा किया है, जिसे अनुविभागीय अधिकारी ने अपील प्रकरण में पारित आदेश दिनांक 13-2-08 से एवं अपर आयुक्त द्वारा अपील प्रकरण में पारित आदेश दिनांक 23-10-08 से स्थिर रखा है एवं अपर आयुक्त ने तहसीलदार एवं अनुविभागीय अधिकारी द्वारा निकाले गये निष्कर्षों को समवर्ती माना है, जिसके कारण तहसीलदार द्वारा प्रकरण क्रमांक 36 अ 27/97-98 में पारित आदेश दिनांक 18-6-2007, अनुविभागीय अधिकारी द्वारा अपील प्रकरण में पारित आदेश दिनांक 13-2-08 एवं अपर आयुक्त द्वारा अपील प्रकरण में पारित आदेश दिनांक 23-10-08 के निष्कर्ष समरूप होने से हस्तक्षेप योग्य नहीं है। अतः निगरानी सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है। पक्षकार टीप करें। अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख आदेश की प्रति सहित वापिस कर प्रकरण रिकार्ड रूम में जमा करें।



सदस्य



न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल स्वाधिकर म 0 प्र 0

10.11.13
9.11.13
F 285 11/13

1. गिरजा प्रसाद पाठक जनय गोकुल प्रसाद पाठक
 2. हारका प्रसाद जनय गोकुल प्रसाद पाठक
 3. बेजा देवरदावाई पत्नी स्व. गोकुल प्रसाद पाठक
 4. श्रीमति काभादजी पुत्री स्व. गोकुल प्रसाद पाठक
- द्वारा ३ उत्तरधिकारों द्वारा प्रसाद, गिरजा प्रसाद पाठक सनस्त निवासिधान ग्राम बखतपुरा तहसील ३ ठे पलेरा जिला टोडमगढ़ म. प्र.
..... निगराकारण

100
14-1-13
74-113

बनाम

1. धरनीधर जनय स्व. मठोरी पाठक
 2. स्वामी प्रसाद जनय धरनीधर पाठक
- सनस्त निवासिधान ग्राम बखतपुरा तहसील पलेरा जिला टोडमगढ़ म. प्र.
..... प्रतिनिगराकारण
3. म. प्र. शासन & राजस्व &

विवरण

रिक्वीजिट प्रतिकूल आदेश अधिनस्थ न्यायालय अपर संयुक्त आहुजा नगर के अंतर्गत प्रकरण क्र. 979/अ-27/2007-08 आदेश दिनांक 23/10/2012 से व्यथित होकर ।

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 50 म. प्र. भू. राजस्व अधिस्ता 1959

महोदय,

निगराकारण सादर निम्न प्रकार वितया है ।

प्रकरण का संक्षिप्त सार:- यह कि प्रतिनिगराकार क्र. एक द्वारा धारा 178 म. प्र. भू. रा. सं. 1959 के अंतर्गत अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार पलेरा के यहाँ भू. व. क्र. 940, 941, 944, 946, 947, 948, 949, 962, 963, 973, 974, 975, 942 क्रमांक 13 के बटवारा हेतु, एकआवेदन पत्र प्रस्तुत किया जिसमें अधिनस्थ न्यायालय द्वारा अपने प्रकरण क्र. 36/अ-27/97-98 आदेश दिनांक 22.6.07 को आदेश पारित किया जो विधि अनुकूल नहीं था जिले व्यथित होकर निगराकारण मो से क्र. 84/अ-27/2001-02 आदेश दिनांक 9/9/2002 अधिनस्थ अपर आहुजा नगर के

11/2/13 श्रीमान